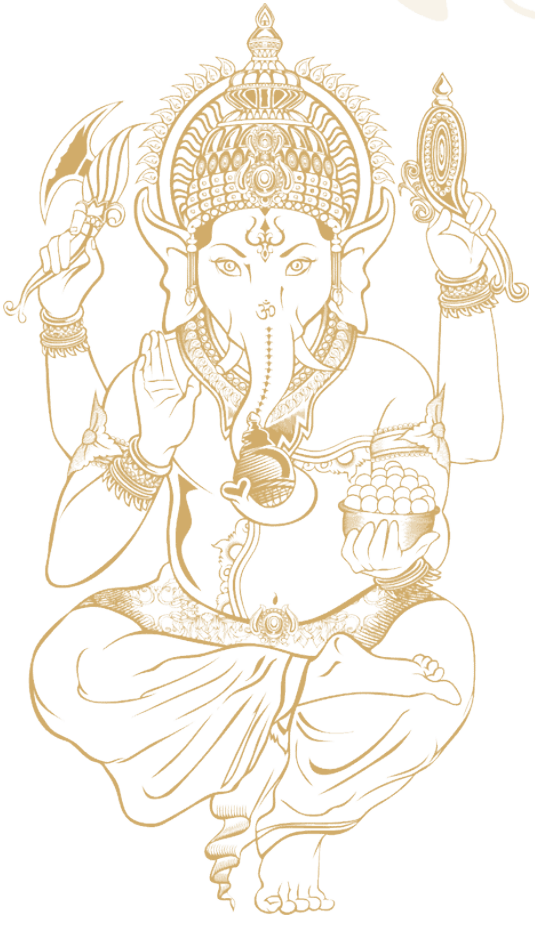

Mr. Jitendra Kumar

15 Nov 1988

12:00 PM

Jamnagar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119230504

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
15/11/1988	जन्म तिथि	**15/11/2025**
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	23:42:37 घंटे
घटी 12:23:47	जन्म समय(घटी)	41:40:17 घटी
India	देश	India
Jamnagar	स्थान	Jamnagar
उत्तर 22:28:00	अक्षांश	22:28:00 उत्तर
पूर्व 70:06:00	रेखांश	70:06:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:49:36	स्थानिक संस्कार	-00:49:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:29	सूर्योदय	07:02:30
18:05:59	सूर्यास्त	18:05:59
23:42:10	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:10

मकर	लग्न	कर्क
शनि	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मकर	राशि	कन्या
शनि	राशि-स्वामी	बुध
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	हस्त
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	1
गण्ड	योग	विष्कुम्भ
तैतिल	करण	बालव
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
नकुल	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मूषक
37	गत/तत्कालिक वर्ष	38

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	4	07:38:07	मक			लग्न			कर्क	18:51:56	1	आश्लेषा
विशाखा	3	29:24:57	तुला			सूर्य			तुला	29:24:57	3	विशाखा
उत्तराषाढ़ा	4	08:31:05	मक			चंद्र			कन्या	10:04:09	1	हस्त
उ०भाद्रपद	2	08:12:56	मीन			मंगल		अ	वृश्चि	13:52:38	4	अनुराधा
विशाखा	1	20:06:28	तुला		अ	बुध	व	अ	वृश्चि	09:46:23	2	अनुराधा
कृतिका	4	08:24:31	वृष	व		गुरु	व		कर्क	00:54:20	4	पुनर्वसु
चित्रा	1	26:06:21	कन्या			शुक्र			तुला	16:49:50	4	स्वाति
मूल	2	06:35:15	धनु			शनि	व		मीन	01:04:31	4	पू०भाद्रपद
शतभिषा	4	17:18:22	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	21:54:04	1	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	2	17:18:22	सिंह	व		केतु	व		सिंह	21:54:04	3	पू०फाल्गुनी
मूल	2	05:20:29	धनु			मु			कुंभ	07:38:07	1	शतभिषा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

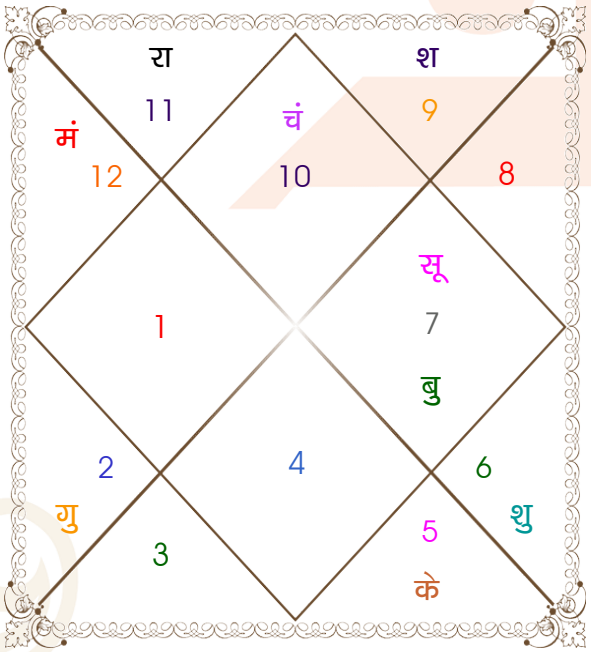

वर्ष लग्न कुंडली

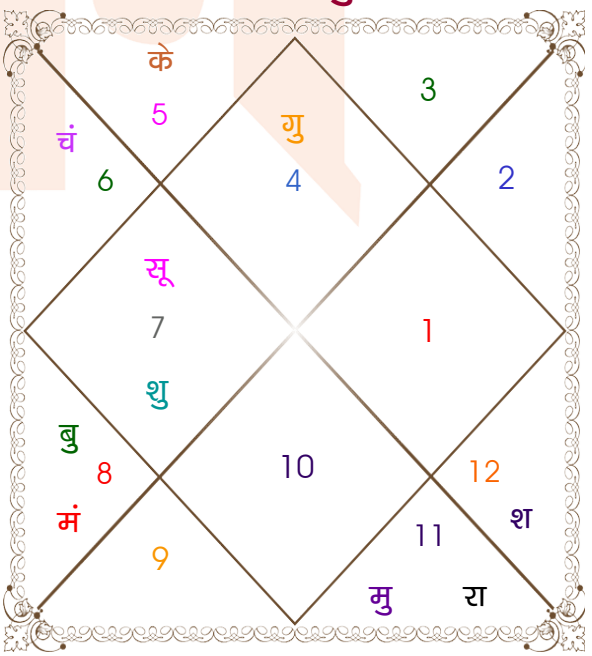

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - गुरु - शुक्र	
03/08/2025 22:25	
11/12/2025 19:13	
शुक्र	25/08/2025 13:53
सूर्य	01/09/2025 01:44
चंद्र	11/09/2025 21:28
मंगल	19/09/2025 11:16
राहु	08/10/2025 22:48
गुरु	26/10/2025 06:22
शनि	15/11/2025 19:52
बुध	04/12/2025 05:24
केतु	11/12/2025 19:13

गुरु - गुरु - सूर्य	
11/12/2025 19:13	
19/01/2026 18:16	
सूर्य	13/12/2025 17:58
चंद्र	16/12/2025 23:53
मंगल	19/12/2025 06:26
राहु	25/12/2025 02:41
गुरु	30/12/2025 07:22
शनि	05/01/2026 11:25
बुध	10/01/2026 23:52
केतु	13/01/2026 06:25
शुक्र	19/01/2026 18:16

गुरु - गुरु - चंद्र	
19/01/2026 18:16	
25/03/2026 16:40	
चंद्र	25/01/2026 04:08
मंगल	28/01/2026 23:02
राहु	07/02/2026 16:48
गुरु	16/02/2026 08:35
शनि	26/02/2026 15:20
बुध	07/03/2026 20:06
केतु	11/03/2026 15:00
शुक्र	22/03/2026 10:44
सूर्य	25/03/2026 16:40

गुरु - गुरु - मंगल	
25/03/2026 16:40	
10/05/2026 03:32	
मंगल	28/03/2026 08:18
राहु	04/04/2026 03:56
गुरु	10/04/2026 05:23
शनि	17/04/2026 10:06
बुध	23/04/2026 20:38
केतु	26/04/2026 12:16
शुक्र	04/05/2026 02:05
सूर्य	06/05/2026 08:38
चंद्र	10/05/2026 03:32

गुरु - गुरु - राहु	
10/05/2026 03:32	
04/09/2026 00:40	
राहु	27/05/2026 16:18
गुरु	12/06/2026 06:19
शनि	30/06/2026 18:28
बुध	17/07/2026 07:52
केतु	24/07/2026 03:29
शुक्र	12/08/2026 15:01
सूर्य	18/08/2026 11:16
चंद्र	28/08/2026 05:02
मंगल	04/09/2026 00:40

गुरु - शनि - शनि	
04/09/2026 00:40	
28/01/2027 12:48	
शनि	27/09/2026 05:23
बुध	17/10/2026 23:30
केतु	26/10/2026 12:37
शुक्र	19/11/2026 22:38
सूर्य	27/11/2026 06:26
चंद्र	09/12/2026 11:27
मंगल	18/12/2026 00:34
राहु	08/01/2027 23:59
गुरु	28/01/2027 12:48

गुरु - शनि - बुध	
28/01/2027 12:48	
08/06/2027 14:49	
बुध	16/02/2027 02:29
केतु	23/02/2027 18:00
शुक्र	17/03/2027 14:20
सूर्य	24/03/2027 03:38
चंद्र	04/04/2027 01:49
मंगल	11/04/2027 17:20
राहु	01/05/2027 09:14
गुरु	18/05/2027 20:42
शनि	08/06/2027 14:49

गुरु - शनि - केतु	
08/06/2027 14:49	
01/08/2027 14:14	
केतु	11/06/2027 18:23
शुक्र	20/06/2027 18:17
सूर्य	23/06/2027 11:04
चंद्र	27/06/2027 23:01
मंगल	01/07/2027 02:35
राहु	09/07/2027 04:53
गुरु	16/07/2027 09:37
शनि	24/07/2027 22:43
बुध	01/08/2027 14:14

गुरु - शनि - शुक्र	
01/08/2027 14:14	
02/01/2028 19:26	
शुक्र	27/08/2027 07:06
सूर्य	04/09/2027 00:10
चंद्र	16/09/2027 20:36
मंगल	25/09/2027 20:30
राहु	18/10/2027 23:41
गुरु	08/11/2027 13:11
शनि	02/12/2027 23:12
बुध	24/12/2027 19:32
केतु	02/01/2028 19:26

गुरु - शनि - सूर्य	
02/01/2028 19:26	
18/02/2028 01:48	
सूर्य	05/01/2028 02:57
चंद्र	08/01/2028 23:29
मंगल	11/01/2028 16:15
राहु	18/01/2028 14:49
गुरु	24/01/2028 18:52
शनि	01/02/2028 02:40
बुध	07/02/2028 15:58
केतु	10/02/2028 08:44
शुक्र	18/02/2028 01:48

गुरु - शनि - चंद्र	
18/02/2028 01:48	
05/05/2028 04:24	
चंद्र	24/02/2028 12:01
मंगल	28/02/2028 23:58
राहु	11/03/2028 13:33
गुरु	21/03/2028 20:18
शनि	03/04/2028 01:19
बुध	13/04/2028 23:29
केतु	18/04/2028 11:26
शुक्र	01/05/2028 07:52
सूर्य	05/05/2028 04:24

गुरु - शनि - मंगल	
05/05/2028 04:24	
28/06/2028 03:49	
मंगल	08/05/2028 07:58
राहु	16/05/2028 10:17
गुरु	23/05/2028 15:00
शनि	01/06/2028 04:07
बुध	08/06/2028 19:38
केतु	11/06/2028 23:12
शुक्र	20/06/2028 23:06
सूर्य	23/06/2028 15:52
चंद्र	28/06/2028 03:49

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यो को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।